मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 15 मूल्य 2.00 रुपए अंक 284 | जयपुर, शनिवार, 25 मई, 2024 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर-सीरी में सेमीकंडक्टर हाई इम्पैक्ट लर्निंग प्रोग्राम के 9वें बैच का समापन

प्रशिक्षार्थी अर्जित ज्ञान एवं कौशल से सेमीकंडक्टर उद्योग में अपना योगदान दें: डॉ पंचारिया

सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में आज दो सप्ताह के सेमीकंडक्टर हाई इम्पैक्ट लर्निंग प्रोग्राम (एसएचआईएलपी) के 9वें बैच का प्रशिक्षण पूर्ण हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 से 24 मई चला और इसमें डीए-आईआईसीटी गांधीनगर, गुजरात के 22 बी.टेक छात्रों और दो संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और उनके कौशल को निखारना था। सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने समापन सत्र की अध्यक्षता की और छात्रों को भविष्य के प्रयासों के लिए बधाई दी। डॉ. पी.सी. पंचारिया ने सभी प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने संबंधी प्रमाणपत्र भी वितरित किए। अपने संक्षिप्त संबोधन में डॉ पंचारिया ने सभी प्रशिक्षार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उनके करियर के लिए उपयोगी सिद्ध होगा तथा वे इस प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित ज्ञान और कौशल का उपयोग कर भविष्य में देश के सेमीकंडक्टर उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुचंदन पाल सहित वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक अशोक चौहान, डॉ मनीष मैथ्यू, डॉ. कुलदीप सिंह और अन्य तकनीकी एवं प्रशिक्षण अधिकारी भी उपस्थित थे। संयोजन प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई प्रमोद तंवर ने किया। उपस्थित वैज्ञानिकों एवं प्रशिक्षकों ने भी प्रशिक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं।